

4. 14. KĀTJ. ÇR. 7, 1, 26. 15, 1, 18. KAUC. 140. म्रुङ्क ° ÇĀṆK. ÇR. 2, 1, 8. 4, 17, 2. M. 1, 66. 3, 276. 278. 4, 98. 8, 58. 107. 402. 11, 217. JĀGṆ. 3, 50. MBH. 3, 11818. SUÇR. 2, 31, 2. 377, 8. RAGH. 6, 34. VARĀH. BRH. S. 4, 32 (31). 11, 7. 96, 1. KATHĀS. 25, 140. PAÑKĀT. I, 104. HIT. I, 78. VP. 223. प्लवंगमः षोडशपत्नशायी HARIV. 8803. In Zusammensetzung mit dem Vollmondsnamen die auf diesen folgende Monatshälfte: फाल्गुनी ° LĪTJ. 9, 1, 2. चैत्री ° 10, 3, 18. 20, 2. माघी ° KĀTJ. ÇR. 15, 1, 6. 3, 49. वसन्ते प्रथमायां पूर्वपत्नस्य LĪTJ. 9, 8, 4. पत्नाष्टमी PĀR. GRHJ. 3, 2. पत्नात्ता उपवस्तव्याः पत्नादयो ऽभियष्टव्याः, ग्रामावाप्त्येन रुविषा पूर्वपत्नमभियजेत पौर्णमासेनापरपत्नम् GOBH. 1, 5, 5. 6. LĪTJ. 10, 12, 4. पत्नात्तै VARĀH. BRH. S. 3, 97. ° न्तये 27, c, 20. पत्नावसनेषु 93, 5. पत्नात्तौ AK. 1, 1, 8, 7. H. 148. M. 6, 20. — 5) Seite, Partei, Anhang; Angehörige; Schaar, Klasse von Wesen: मत्पत्न्याद्विषीं नित्यं सुमित्राम् R. 2, 33, 16. भरतस्यापि वा पत्नं यो गृह्णीयात् R. GORR. 2, 18, 13. ऋकमपि भवदर्थे गृहीतपत्ना PRAB. 70, 6. तत्पत्नाश्रित P. 3, 1, 119, Sch. पत्नयोरुभयोर्द्वितम् MBH. 1, 507. पितृपत्ने च ते पार्था मातृपत्ने च वृष्णयः । द्वा पत्नावभिज्ञानीहि त्वमेतौ ॥ 5, 4735. तुल्यो मित्रारिपत्नयोः BHAG. 14, 25. शत्रुपत्न m. und adj. die Partei des Feindes, zur Partei des Feindes sich haltend MBH. 1, 2709. R. 2, 40, 9. 6, 1, 30. MĀLAV. 9, 9. RAGH. 6, 53, 18, 16. PAÑKĀT. 156, 8. HIT. 24, 4. MĀRK. P. 15, 60. स्व ° MBH. 2, 171. 1090. 5, 1. 15, 220. MĀLAV. 12, 14. PAÑKĀT. III, 53. 156, 9. AK. 2, 8, 1, 30. H. 301. निज्ञ ° KATHĀS. 11, 82. PAÑKĀT. III, 63. पत् ° MBH. 1, 5557. 15, 220. PAÑKĀT. III, 65. धनुः शस्त्रं शरा वीर्यं पत्नौ भूमिर्यशो बलम् । प्राप्तमेतन्मया MBH. 2, 666. 984. HARIV. 8431. R. 2, 31, 21. RĪGĀ-TAR. 4, 52 (zugleich Flügel). 612. मातृ ° MĀRK. P. 21, 101. वत् ° RAGH. 6, 86. BHĀG. P. 3, 3, 12. पतिपत्नेर्निराकृता HARIV. 4620. ज्ञातयः पितृपत्नाः पितृव्यादयः संबन्धिना मातृपत्नाः अग्रुरादयश्च KULL. zu M. 2, 132. मन्दभाग्या समातृपत्नाम् MBH. 10, 569. मत्ता ° der einen grossen Anhang hat M. 8, 179. KĀM. NĪTĪ. 4, 68. अत् °, संस्थित MBH. 1, 5793. अज्ञात् °, ज्ञात् ° 7418. fg. देवपत्नवराः die ausgezeichnetsten Anhänger der Götter 13, 4158. समस्ताः पूज्यपत्ना वै देव्याया मम Bundesgenossen MĀRK. P. 21, 53. विज्ञयन्ते द्विषता यदस्य पत्नाः VIKR. 16. भरतस्याथ पत्नौ वा यो वास्य क्तिमिच्छति R. 2, 21, 14. रामस्य पत्नाः पतिताः समुद्रे HARIV. 8423. पत्नारपरन्दोष wohl Ereund und Feind MĀRK. 137, 15. 20. तत्र वंशा विभज्यतां विपत्नाः पत्न एव च HARIV. 3013. RĪGĀ-TAR. 6, 220 fg. बन्धुपत्नं so v. a. बन्धवः MBH. 1, 2774. 4396. तिलदानेन वै तस्मात्पितृपत्नः प्रमोदते 13, 3315. 3, 3780. ज्ञाति ° R. GORR. 2, 7, 28. पितृपत्नाः so v. a. Väter HARIV. 3374. नास्तिक ° PRAB. 87, 1. सत्ति वै पुरुषाः प्रूराः सत्ति कापुरुषास्तथा । उभाविमौ दृष्टौ पत्नौ दृश्यते पुरुषान्प्रति ॥ MBH. 3, 42. अज्ञज्ञद्वगवान्पत्नौ द्वावेव हि पितामकः । सुराणामसुराणां च धर्माधर्मौ च ॥ धर्मो हि प्रसते पत्नमसुराणां डुरात्मनाम् । तथैव रत्नसौ पत्नं सुराणामेष निर्णयः ॥ R. 6, 11, 15. fg. तेषामकं संप्रवक्ष्यामि पत्नैश्च कुलतो गणान् MBH. 1, 2601. रुद्राणामपरः पत्नः साध्यानां मरुतां तथा 2602. तत्पत्न d. i. धूर्तपत्न und चौरपत्न zu dieser Bande gehört HARIV. 7124 fg. ° संमत von Einigen gutgeheissen MBH. 13, 4445. पत्न = सकृप AK. 3, 4, 20, 222. H. an. MED. VIÇVA und VAIÓ. = सखि MED. VIÇVA. = परिग्रह HALĀJ. 3, 63. = गृह्य 2, 284. = वर्ग H. an. पत्न gleichbedeutend mit गोत्र, वंश, वर्ग, गण MULLER, SL. 379. — 6) Stelle, Statt: स्नुपायत्नं हि वामोर्ह त्वमगन्ध समाश्रिता MBH. 1, 3875. पुत्रपत्ने प्रजा राक्षस्तवापि विदितं ध्रुवम् R. 6, 99. 32. इमप्युपकृतिपत्ने सुरभि मुखं ते मया यदाघ्रा-

IV Theil

तम् ÇĀK. CH. 63, 11. सानिध्य ° dass.: सानिध्यपत्ने कृरितालमय्यास्तेदेव (विलोचनं) ज्ञातं तिलकक्रियायाः KAMĀBAS. 7, 33. locum occupavit notae frontalis, auripigmento pictae St. — 7) der eine von zwei Fällen, Fall überh.: पत्न एकश्रुतिः im andern Falle Schol. zu P. 1, 2, 35. VOP. 9, 55. 26, 58. चवरो ऽत्र पत्नाः संभवन्ति es sind hier vier Fälle möglich KĀLJ. zu P. 7, 1, 30. क्लिष्टपत्ने und अस्मिन्नपि पत्ने SIDDH. K. zu P. 1, 2, 6. पत्नात्तरे चेत्यदि च ked und jadi haben die Bedeutung falls AK. 3, 5, 12. TRIK. 3, 3, 465. H. 1542. पत्नात्तरे im andern Falle KĀÇ. zu P. 1, 2, 36. SĀH. D. 24, 19. नपविद्भिर्नवे राक्षि सदसञ्चोपदर्शितम् । पूर्व एवाभवत्पत्नस्तस्मिन्नाववदुत्तरः (पूर्वः पत्नः = सत्, उत्तरः पत्नः = अस्त) RAGH. 4, 10. म्रुक्तपत्ने BURN. Intr. 282, N. 1. dans l'hypothèse favorable BURN. — 8) Ansicht. Idee, Meinung: कस्य कः पत्नः MBH. 2, 2266. धान्यैर्यष्टव्यमिति पत्नो ऽस्माकं नराधिप । देवानां तु पद्मः पत्नो मतः 12, 12830. fg. उत्तरः सिध्यते पत्नः 3, 12708. fg. इत्येकपत्नाश्रयविल्लावत्वात् RAGH. 14, 34. प्राङ्मुखवनाः स्वतुङ्गैः क्रूरैः क्रूरमतिं महीपतिम् । क्रूरैस्तु न जीवशर्मणाः पत्ने नित्यधिपः प्रजापते ॥ VARĀH. BRH. 11, 1. उभयपत्नसमानमेवात् Kap. 1, 46. उक्त ° Schol. zu Kap. 1, 121. श्रावयोः समानः पत्नः Schol. zu Kap. 1, 70. प्रथमः ÇĀṆK. zu BRH. ĀR. UP. S. 273. अत्रासंतुष्टः पत्नात्तरमाह KĀÇ. zu ÇĀK. 42. पत्नं के च न संश्रयेत् Buāg. P. 7, 13, 7. स्वपत्नस्थापनपरपत्ननिवारण ° MADHUS. in Ind. St. 1, 19. 1 v. u. मुख्यः पत्नः eine vorzügliche Idee Schol. zu ÇĀK. 99, 23 — 9) die Untersuchung, mit der man so eben beschäftigt ist. ÇĀṆK. zu BRH. ĀR. UP. S. 185. RÖSR übersetzt पत्ने durch in our text. in the text und in the course of discussion. — 10) in der Logik das Subject eines Schlusses: संदिग्धसाध्यवान्पत्नः TARKAS. 39. ° धर्मता 29. Z. d. d. m. G. 7, 294, N. 1. BHĀSHĀP. 67. 69. पत्न = साध्य H. an. MED. VAIÓ. VIÇVA. — 11) प्रजापतेर्ब्रतपत्नौ (d. i. ब्रतम् und पत्नः) N. zweier Sāman Ind. St. 3, 224. — Die Lexicographen kennen noch folg. Bedd., die wir nicht zu belegen vermögen: गृहभित्ति Hauswand HALĀJ. 3, 63. भित्ति Wand, Mauer VAIÓ. बल Heer (Flügel eines Heeres?) H. an. MED. VAIÓ. VIÇVA. ग्रह Gunst H. an. VIÇVA. विरोध Widerspruch (vgl. 7) H. an. MED. VIÇVA. चुष्ठीरन्ध्र Ofenloch, राजकुञ्जर ein königlicher Elephant H. an. MED. देहाङ्ग ein Glied des Körpers H. an. देहावपव (Seite nach AUFRECHT, aber पार्श्व wird in H. an. neben देहाङ्ग noch erwähnt) HALĀJ. पिच्छ die Schwanzfedern beim Pfauen, Schwanz überh. H. an. समीप Nähe HALĀJ. विक्रम Vogel, वलय Armband, म्रुङ्क (masc.) rein (Reinheit WILS.) ÇĀBDAR. im ÇKDR. (in algebra) a primary division HAUGHT. (in arithmetic) side of an equation in a primary division WILS. Die Bed. Haus im ÇKDR. und bei WILS. beruht auf der Zerlegung von पार्श्वगृह in MED. in zwei Bedd., wobei übersehen worden ist, dass पार्श्व später noch ein Mal getrennt vorkommt. — Vgl. अपर °, उत्तर °, एक °, काक °, कृष्ण °, कौश्ल °, कन्दस्पत, ज्योतिष्पत्न, तमिष्ण °, द्वै °, पूर्व ° वि °, ब्रत °, स °, क्तिरण °.

पत्नक (von पत्न) m. 1) Seitenthür AK. 2, 2, 13. H. 1007. an. 3, 60. MED. k. 113. — 2) Seite H. an. MED. ÇIÇ. 11, 7. — 3) Bundesgenosse, Gehülfe ÇĀBDAR. im ÇKDR. — Am Ende eines adj. comp. s. सपत्नक.

पत्नगम (पत्न + गम) adj. mit Hilfe von Flügeln sich fortbewegend, steigend: पूर्व पत्नगमाः पुत्र बभूवुः पर्वतोत्तमाः R. 5, 56, 45. — Vgl. पत्नगम.

पत्नगुप्त (पत्न + गुप्त) m. ein best. Vogel VJUP. 118.